ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

30-11-2022

संस्कार आटोमेटिक चाबी हैं जो आत्मा को चलाते रहते हैं। जैसे खिलौने को नाचने की चाबी देते तो वह नाचता ही रहता। अगर किसको गिरने की देंगे तो गिरता ही रहेगा। ऐसे जीवन में संस्कार भी चाबी के समान हैं इसलिए बाप के संस्कार ही अपने निज़ी संस्कार बनाओ। नहीं तो बहुत समय के पुराने संस्कार समय पर धोखा दे देंगे। पहले स्वयं को स्वयं के धोखे से बचाओ तो समय के धोखे से बच जायेंगे।

Now transform the old nature and old sanskars.

Sanskars are the automatic key that makes the soul move along. When a toy is wound up with the key, it continues to dance. If the toy is one that keeps falling when it is wound up, it will keep on falling. In the same way, sanskars are the key in life, and this is why you have to make the Father's sanskars your original sanskars. Otherwise, the old sanskars you have had for a long time will deceive you. First of all, save yourself from being deceived by yourself and you will be saved from being deceived by time.